हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 187 देहरादून, शुक्रवार, 13 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

नकल माफिया बेखौफ़, आयोग भी भ्रष्टाचार में बेनकाब : यशपाल आर्य

3

युवा दिवस विशेष : प्यार और क्रश में अंतर समझाती गुदगुदाने वाली खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , क्रश आमतौर पर उन रोमांटिक फीलिंग को माना जाता है जो आप कभी कह ही नहीं पाते हैं। लेकिन ऐसा है नहीं। जी हां, आप प्यार भारी फीलिंग को ही तो क्रश कहते थे अब तक, है न। अब मत कहिएगा क्योंकि क्रश के मायने तो कुछ और ही हैं।विशेषज्ञ मानते हैं कि क्रश के लिए हमेशा रोमांटिक फीलिंग नहीं आती है। लेकिन क्रश के साथ जुड़े नहीं होते हैं और आप गहराई में जाकर उनसे जुड़ना जरूर चाहते हैं। हम किसी भी तरह जुड़ना चाहते हैं ताकि उनको और जान सकें पहचान सकें। उनसे रिश्ता बढ़ा सकें। इन सबके बीच में रोमांस भी हो सकता है।

प्यार और क्रश को एक मान लेने की गलती मत कीजिएगा। ये दोनों अलग-अलग अहसास हैं। इन दोनों में बड़ा अंतर तो आकर्षण और गहरे प्यार का ही है। इन दोनों अहसासों के बीच में अंतर करना काफी कठिन होता है। क्रश के लिए आप कई बार फिजिकल आकर्षण महसूस कर सकते हैं। लेकिन जब प्यार होगा तो आप एक गहरी फीलिंग महसूस करेंगे।उसके साथ सपने तक देखने लगेंगे। लेकिन प्यार के साथ आप प्रैक्टिकल बातें सोचेंगे।जब प्यार होता है तो आपको वो पूरा इंसान अच्छा लगता है। लेकिन क्रश की आपको कोई एक खासियत अच्छी लगेगी, जैसे उसका हंसना, कोई बॉडी पार्ट या फिर कपड़े पहनने का तरीका। ज्यादातर बार क्रश थोड़े समय के लिए ही होता है।क्रश तुरंत हो जाता है जबकि प्यार धीरे-धीरे होता है। क्रश होगा तो उस इंसान में कोई कमी दिखेगी ही नहीं, प्यार में कमी दिखेगी लेकिन आप उसे सुधारना चाहेंगे। ताकि वो इंसान परफेक्ट बन सके।अब सवाल ये उठता है कि क्रश हो कौन सकता है? वैसे तो ये कोई भी कभी भी हो सकता है। लेकिन अक्सर ऐसा उन लोगों के साथ होता है, जिनसे आपका किसी भी तरह से कोई रिश्ता न हो। जैसे ऑफिस में काम करने वाली ऐसी कलीग जिससे आपका कोई काम न पड़ता हो। कॉलेज की कोई लड़की या फिर मोहल्ले की कोई लड़की। फ़िल्मी सितारे भी अक्सर क्रश होते हैं क्योंकि हम उन्हें पर्सनली नहीं जानते होते हैं। अगर आपकी जिंदगी में कोई क्रश है तो आपकी पर्सनालिटी में कोई न कोई अंतर जरूर दिखेगा। ये अंतर व्यवहारिक तो होंगे ही सायकलॉजी के हिसाब से भी लक्षण बताए गए हैं। ये वो लक्षण हैं जो आपकी जिंदगी में क्रश आने के साथ ही एंटर करते हैं। क्या आपमें भी हैं दिख रहे हैं ये लक्षण, पहचान लीजिए-

इर्द-गिर्द ही रहना चाहें

आपके ऑफिस में या दोस्तों के बीच कोई है जो सिर्फ आपका ही साथ चुनती है। चाहे बाइक पर बैठकर ट्रीट वेन्यू पर जाना हो या फिर लैब में लोकेशन चुननी हो, उन्हें आप ही नजर आते हैं। आप भी किसी के लिए ऐसा ही कर रहे हैं तो भी आपकी जिंदगी में क्रश ने कदम रख दिया है, ध्यान रखिए। या तो आप उन्हें या वो आपको बेहतर तरीके से जानना चाहते हैं।

बातों-बातों में उनका नाम

जब भी आपकी जिंदगी में कोई क्रश आएगा तो ध्यान रखिए कि अक्सर आप उनका ही नाम लेंगे। बात किसी और चीज की होगी लेकिन आप उनको ही याद करेंगे। मान लीजिए आप बात दीप्ति से कर रहे हैं तो उससे बात करते-करते हो सकता है कि आप अपनी क्रश पूजा को ही याद करते रहें। बातों-बातों में आपके मुंह से पूजा ही निकलेगा। आप दीप्ति को पूजा ही कह सकते हैं। ऐसा कई और परिस्थितियों में भी हो सकता है। और ऐसा आपके लिए भी कोई कर सकता है। ये आपके लिए भी कोई कर सकता है और आप भी किसी के लिए कर सकते हैं। आप किसी के लिए ऐसा कर रहे हैं तो समझ लीजिए कि आपको क्रश मिल गई है। वैसे तो जो लक्षण आपकी जिंदगी में क्रश आने के होंगे ठीक वही लक्षण किसी और के लिए भी होंगे। जब आप किसी की जिंदगी में क्रश बनकर जाएंगे तो उसमें भी वही लक्षण दिखेंगे। लेकिन कुछ बातें हैं जो आपको सच में तुरंत फील करा देंगी कि कोई आपको अपना क्रश मानने लगा है।

आसपास के लोग आपको घूरने लगेंगेमिक्स फीलिंग होगी जैसे नर्वस, खुशी और उत्साहऐसा लगेगा जैसा कोई आपको हर पल देख रहा हैकोई है जो आपके साथ समय बिताने को परेशान है।ऐसे करें रिएक्ट जब आपकी जिंदगी में क्रश आ जाए तो आपको क्या रिएक्ट करना चाहिए? ये सवाल भी मन में उठ ही रहा होगा? तो ऐसी स्थिति में सबसे पहले तो अपनी क्रश से मिलने की वजह पर ध्यान दीजिए। मतलब आप उनको जानते कैसे हैं। इस पर ध्यान दीजिए। जैसे ऑफिस कलीग हैं वो या फैमिली फ्रेंड हैं। हर स्थिति में अप्रोच करने का तरीका अलग होगा।

जोशीमठ में मौसम की आफत से बढ़ेगी चौतरफा मुसीबत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ / देहरादून , 12 जनवरी , देश भर की नज़र जहाँ जोशीमठ पर टिकी है वहीँ जोशीमठ में सरकार और स्थानीय लोगों की नज़र आसमान पर टिक गयी है। बीते एक महीने से भू-धंसाव का दंश झेल रहे जोशीमठ में भले ही सरकार सक्रीय है , भले ही जिला प्रशासन अलर्ट है लेकिन अब मौसम ने करवट बदली है और आने वाले कुछ दिन खराब हो सकते हैं. सामने की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फ गिरने का सिलसिला शुरू हो चुका है, जिससे इलाके में सर्द हवाएं चल रही हैं और पिछले कुछ दिनों के मुकाबले अधिक ठंडक महसूस की जा रही है. मौसम के इस बदलते मिजाज ने जोशीमठ के आपदा पीड़ितों की चिंता और बढ़ा दी है. यदि बारिश हुई तो हालात और

बिगड़ सकते हैं. जोशीमठ में जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित खतरे वाले इलाकों में घरों के आंगन और कमरों के अलावा आसपास की धरती भी फटी हुई दिख रही है और वहां गहरी दरारें हैं जो कई इंच चौड़ी हैं.भू-धंसाव के बाद बनी दरारें और गहरा सकती हैं और पानी के नए स्रोत भी फूट सकते हैं. शासन-प्रशासन भी इस स्थिति को लेकर चिंतित है. मौसम विज्ञान विभाग ने चमोली समेत प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में 12 जनवरी को हल्की बारिश की संभावना जताई है. राहत और बचाव में लगे राज्य सरकार के अधिकारी खतरनाक घोषित किए गए 2 होटलों 'मलारी इन' और 'होटल माउंट व्यू' को पिछले 2 दिनों से ढहाने की योजना बना रहे हैं, लेकिन भवन स्वामियों को विश्वास में नहीं ले पाने के चलते अब तक यह कार्रवाई अटकी हुई है. दोनों होटलों मालिक और स्थानीय लोग धरना दे रहे हैं. उनकी मांग है कि बद्रीनाथ महायोजना की तर्ज पर उन्हें मुआवजा दिया जाए. मुख्यमंत्री भी सीधे पीएमओ के संपर्क में हैं तो वहीँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लगातार हालात पर नज़र लगाए हैं। देखना होगा कि आने वाले दिन मुसीबत की इस घड़ी में कितनी बड़ी चुनौती पेश करेंगे।

तीन दिन पहले हुई पटवारी परीक्षा के दौरान लीक हुआ था पेपर? अधिकारियों ने साधी चुप्पी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 12 जनवरी। उत्तराखंड में तीन दिन पहले हुई पटवारी परीक्षा के दौरान पेपर लीक होने की बात सामने आई है। जिस से हड़कंप मचा हुआ है। इस मामले में कनखल थाने में दोपहर तक एफआईआर कराने की तैयारी भी शुरू हो गई है। उत्तराखंड एसटीएफ मामले की छानबीन में जुटी हुई है। इस मामले में लोक सेवा आयोग उत्तराखंड के सभी बड़े जिम्मेदारों ने चुप्पी साध रखी है।

लोक सेवा आयोग परिसर में किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही हैं और अध्यक्ष राकेश कुमार और सचिव गिरधारी सिंह रावत फोन पर बात नहीं कर रहे हैं। पूरे लोक सेवा आयोग में हड़कंप मचा हुआ है, कोई कुछ बोलने या बताने को तैयार नहीं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग राज्य के 13 जिलों के परीक्षा केंद्रों में 8 जनवरी 2023 को यूकेपीएससी पटवारी/लेखपाल 2022 परीक्षा आयोजित की थी।

इस परीक्षा में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए थे। परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड आयोग द्वारा 29 दिसंबर 2022 को आयोग की आधिकारिक वेबसाइट - psc.uk.gov.in पर जारी किये गए थे। UKPSC ने 391 पटवारी पदों के लिए भर्तियां जारी की थी। जिसमें अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौढ़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टेहरी, उत्तरकाशी, हरिद्वार और उधम सिंह नगर जिले शामिल हैं।

हर साल 2 लाख से ज्यादा लोगों की फेल होती है किडनी, ये हैं 16 संकेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , एक किडनी की रुकावट आमतौर पर किडनी की विफलता का कारण नहीं बनती है क्योंकि दूसरी किडनी प्रभावित नहीं होती है, लेकिन दो किडनी के ब्लॉक होने से आपात स्थिति हो सकती है।आपको जानकर हैरानी होगी कि किडनी फेल होना दुनिया में मौत का 17वां और भारत में मौत का 8वां सबसे बड़ा कारण है। WHO की रिपोर्ट के मुताबिक हर साल 2 लाख से ज्यादा लोग किडनी फेल होने के शिकार होते हैं। केवल 5 हजार लोग ही ट्रांसप्लांट करवाते हैं। WHO के मुताबिक, भारत में ऑर्गन डोनेशन के बारे में जानकारी का अभाव और कम डोनर होने की वजह से किडनी, ट्रांसप्लांट के लिए उपलब्ध नहीं हो पा रही है। देश में हर साल किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारियों के 2 लाख से ज्यादा मामले सामने आते हैं। मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर इस रोग के प्रमुख कारण हैं।

किडनी फेल्योर क्या है?

किडनी फेल होने का मतलब है कि किडनी के काम करने की दर 15% से भी कम हो गई है। किडनी खराब होने के कुछ दिन पहले शरीर कुछ संकेत देना शुरू कर देता है। हमें इनसे बचना नहीं चाहिए। फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा के एडिशनल डायरेक्टर व हेड नेफ्रोलॉजी व किडनी ट्रांसप्लांट विभाग की डॉ. अनुजा पोरवाल ने Jansatta.com को बताया, "कई चेतावनी संकेत हैं जो किडनी की बीमारी का संकेत देते हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में उनका पता नहीं लगाया जा सकता है। ऐसे संकेतों को या तो अनदेखा किया जाता है या कुछ और माना जाता है।" आइए जानते हैं उन संकेतों के बारे में-

किडनी फंक्शन में खराबी होने दिखते हैं ये 16 संकेत

एनीमियाउलझनजी मिचलानाउल्टी करनाइन्टर्नल ब्लीडिंगहाई ब्लड प्रेशरभूख कम होनाबार-बार पेशाब जानाकमज़ोरी या जल्दी थकनाहाथ, पैर और चेहरे की सूजनसुबह उल्टी होना या उबकाई आनाबिना किसी कारण के वजन कम होनाआपके मुंह में धातु का स्वादसांस लेने में कठिनाईसुन्न होना और सिहरनमांसपेशियों में मरोड़ और ऐंठन

ये 7 गुणी महिलाएं अपने पति की किस्मत चमकाती हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , वैवाहिक संबंध में आपसी सामंजस्य और विश्वास जरूरी है। एक अच्छी शादी करने के लिए, पति-पत्नी का एक-दूसरे के लिए प्यार और सद्भाव होना जरूरी है। गरुड़ पुराण में पत्नियों के गुणों के बारे में कुछ वर्णन हैं, जो यदि किसी महिला में मौजूद हैं, तो उसे उसके पति के लिए बहुत भाग्यशाली बनाते हैं। आज हम गरुड़ पुराण में बताए गए कुछ गुणों के बारे में जानने जा रहे हैं।

धार्मिक

जो महिलाएं भगवान को मानती हैं और धार्मिक हैं। अर्थात वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ धर्म का पालन करते हैं। वह अपने पति के लिए बहुत भाग्यशाली मानी जाती हैं। साथ ही इन महिलाओं को अपने ससुर से कोई समस्या नहीं होती है, लेकिन वे हमेशा खुश रहती हैं। उसका पति उससे बहुत खुश है।

सीमित इच्छाओं वाले

जो महिलाएं बहुत अधिक मांग नहीं करती हैं उन्हें भी अपने पति के लिए भाग्यशाली माना जाता है। सुख और शांति हमेशा सीमित इच्छाओं वाली महिला के घर में रहती है और कभी भी धन की कमी नहीं होती है और वित्तीय कठिनाई का सामना करने की आवश्यकता नहीं होती है। जैसा कि वह उच्च मांग में नहीं है, उसे हमेशा अपने ससुराल से प्यार और सराहना मिलती है, साथ ही साथ उसके पति के साथ एक अच्छा तालमेल भी होता है।

'जल्दबाजी में जल्दबाजी'

हां, जल्दबाजी में किया गया काम बिगड़ जाता है। अगर आपकी पत्नी धैर्यवान है तो समझिए कि आप भाग्यशाली हैं। क्योंकि अगर आपकी पत्नी साहसी है, तो कुछ भी गलत नहीं होगा। साहसी महिलाओं को कुछ भी करने से पहले योजना बनानी चाहिए। इसके बाद ही वे इस कार्य को करते हैं।

शांतिप्रिय क्रोध

विहीन अगर आपकी पत्नी शांत है, यानी गुस्सा नहीं है, तो समझ लीजिए कि आप दुनिया के सबसे भाग्यशाली पतियों में से एक हैं। ऐसा माना जाता है कि ऐसी महिलाएं अपने घर परिवार को स्वर्ग बनाती हैं।

मधुर वाणी का होना

ऐसा कहा जाता है कि यह महिलाओं के शब्दों से स्पष्ट है कि क्या घर स्वर्ग या नरक बन जाएगा। उस स्थिति में, यदि आपकी पत्नी की आवाज मधुर है, तो समझिए कि आप भाग्यशाली हैं। इसके विपरीत, यदि किसी महिला की भाषा कठोर है, तो आपका जीवन और भी बुरा होगा।

पति के बुरे समय में साथ आना

यदि पति का बुरा समय शुरू हो जाता है, तो पत्नी पति की ताकत बन जाती है। लेकिन बुरे समय में, अगर पत्नी समर्थन नहीं करती और मजाक उड़ाती है, तो यह किसी भी पति के लिए बुरे सपने जैसा है। इसके विपरीत, यदि पत्नी बुरे समय में उसका साथ देती है और उसकी देखभाल करती है, तो यह उसके लिए एक आशीर्वाद हो सकता है।

छोटों को प्यार करना और बड़े लोगों का सम्मान करना

जो महिलाएं अपने ससुर की पार्टी में छोटों से प्यार करती हैं और बड़ों का सम्मान करती हैं वे अपने पति के लिए भाग्यशाली साबित होते हैं। उनके घर में कभी कोई झगड़ा नहीं होता है, ऐसी लड़कियां हमेशा अपने परिवार को साथ रखती हैं।

औली में सीजन का पहला हिमपात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से तीन दिन तक पहाड़ से मैदान तक हल्की से मध्यम बारिश के आसार मौसम वैज्ञानिकों की ओर से बताए गए थे। तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में जबरदस्त बर्फबारी की संभावना और हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में शीतलहर के साथ ही घना कोहरा बताया गया। इस बीच बदरीनाथ और केदारनाथ सहित जोशीमठ औली में सीजन का पहला हिमपात हुआ। आज बृहस्पतिवार सुबह पहाड़ियां बर्फ से ढकी दिखी।

प्रदेश में शीतलहर के बढ़ते प्रकोप के चलते मैदानी इलाकों में कक्षा एक से 12 वीं तक के सभी स्कूल 15 जनवरी तक बंद रहेंगे। मौसम ने करवट बदली और बदरी-केदार समेत ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बुधवार को साल की पहली बर्फबारी हुई। बर्फबारी देर शाम तक होती रही। बर्फबारी से कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। केदारनाथ में तापमान माइनस में जा रहा है फिर भी यहां पुनर्निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। यहां 100 से अधिक मजदूर लगे हुए हैं।

हेमकुंड साहिब, रुद्रनाथ, गौरसों, नंदा घुंघटी की चोटी के साथ ही नीती और माणा घाटी और यमुनोत्री में भी बर्फबारी हुई है जिससे ठंड में इजाफा हो गया है।

नकल माफिया बेखौफ़ , आयोग भी भ्रष्टाचार में बेनकाब : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

8 जनवरी 2023 को उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पटवारी/लेखपाल भर्ती परीक्षा में पेपर लीक होने की घटना उत्तराखंड के युवाओं के लिए दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही यह घटना सिद्ध करती है कि लगातार कानून तोड़ने वाले नकल माफिया को राज्य की सरकार का भय नही रह गया है।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , एसटीएफ द्वारा यह स्वीकारा गया है कि , पेपर लीक राज्य लोक सेवा आयोग के गोपनीय विभाग में कार्यरत एक सेक्शन अधिकारी ने अपने पुराने परिचित अध्यापक की मदद से करवाया है , से ये सिद्ध होता है कि यूकेएसएसएससी के साथ-साथ उत्तराखंड लोक सेवा आयोग में भी नकल माफिया की जड़ें फैली थी।यशपाल आर्य ने कहा कि , सरकार ने दावा किया था कि उसने नकल माफिया पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही करके उसकी कमर तोड़ दी है पर हुआ उल्टा जिस राज्य लोक सेवा आयोग को पहली परीक्षा कराने की जिम्मेदारी दी उसी परीक्षा में नकल गिरोह ने परीक्षा से पहले दर्जनों लोगों को पेपर लीक करवा दिया।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , यदि एक परीक्षा के आवेदन भरने से सफलतापूर्वक नतीजे निकालने में यदि सालों का समय लगेगा और कई बार परीक्षा रद्द होगी तो राज्य में युवाओं का धैर्य टूट जाएगा। कांग्रेस बेरोजगारों के भविष्य की रक्षा के लिए सड़क से विधानसभा तक संघर्ष करेगी।

ये संकेत बताते हैं कि आपका दिल बिल्कुल नहीं है 'हेल्दी'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जनवरी , अगर आपको सीढ़ियां चढ़ते समय या आधी रात में सांस लेने में मुश्किल हो रही है, तो यह आपके दिल के लिए अच्छा संकेत नहीं है. आज हम कुछ ऐसे संकेतों और लक्षणों के बारे में आपको बताने जा रहे हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि आपके आपका दिल बिल्कुल भी हेल्दी नहीं है. इन संकेतों के दिखते ही आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए.

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल, गलत खानपान और खुद पर ध्यान न देने के कारण बीते कुछ सालों में 40 से कम उम्र के लोगों में भी हार्ट अटैक का खतरा काफी ज्यादा बढ़ गया है. दिल से संबंधित बीमारियों के लिए कई बार कुछ ऐसे कारक भी जिम्मेदार होते हैं जो हमारे नियंत्रण से बाहर हैं जैसे फैमिली हिस्ट्री आदि. लेकिन लाइफस्टाइल और खानपान में बदलाव करके आप हृदय संबंधित बीमारियों के खतरों को बहुत हद तक काबू में कर सकते हैं.

न हेल्दी लाइफस्टाइल कहीं ना कहीं आपके दिल के लिए काफी खतरनाक साबित होती है. अगर आपको सीढ़ियां चढ़ते समय या आधी रात में सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है तो आपको डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए. इसके अलावा पैरों में सूजन, बेहोशी जैसे संकेतों को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. मॉर्डन लाइफस्टाइल में स्ट्रेस के कारण भी लोगों में हार्ट अटैक का खतरा काफी ज्यादा बढ़ गया है. इसके अलावा आजकल के समय में लोग पहले के मुकाबले काफी कम एक्टिव रहते हैं. स्वस्थ हृदय के लिए जरूरी है कि आप ज्यादा से ज्यादा चलें, सीढ़ियां चढ़ें. इसके साथ ही समय पर सोएं और हेल्दी चीजों का सेवन करें. साथ ही तंबाकू और शराब के सेवन से बचें.

एनटीपीसी पर उठ रहे सवालों पर केंद्र गंभीर, सुरंग को लेकर लोगों के मन में शंकाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ में भू-धंसाव को लेकर एनटीपीसी पर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में केंद्र सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। केंद्र की ओर से एनटीपीसी को अपने स्तर पर जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा ने बताया कि विष्णु प्रयाग जल परियोजना के लिए एनटीपीसी की ओर से बनाई गई सुरंग को लेकर लोगों के मन में शंकाएं हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार की ओर से एनटीपीसी को सभी तथ्यों की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया, ताकि लोगों की शंकाओं का समाधान किया जा सके। बताते चलें कि इस बात की भी चर्चा है कि एनटीपीसी की ओर से बनाई गई सुरंग से ही पानी बाहर आ रहा है। बाईपास टनल बनाने के लिए विस्फोटकों का भी इस्तेमाल किया गया। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी एनटीपीसी को सवालों के घेरे में लेते हुए जांच की मांग की है। ब्यूरो

लोन एप से 300 करोड़ उड़ाने वाले चीनी ठगों का भारतीय साथी गिरफ्तार, सामने आए इन मामलों ने चौंकाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इंस्टेंट लोन एप के जरिये देशभर के लोगों से 300 करोड़ ठगने वाले चीनी जालसाजों के एक भारतीय साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की कंपनी 15 मोबाइल एप संचालित करती है। इनके माध्यम से उत्तराखंड के भी 247 लोगों को शिकार बनाया गया है। आरोपी को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। उसे जल्द ही पुलिस कस्टडी रिमांड में भी लिया जाएगा। बुधवार को डीजीपी अशोक कुमार ने पुलिस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता कर बताया कि लुनिया मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति को लोन के लिए मैसेज आया था। मैसेज में एक लिंक मिला, जिस पर क्लिक किया तो उनसे विभिन्न शुल्क के नाम पर रुपये मांगे गए। वे ठगों के कहने पर रुपये जमा करते गए। कुछ ही दिनों में उन्होंने कुल 17 लाख रुपये ठगों के खातों में जमा कर दिए। जब उन्हें ठगी का एहसास हुआ तो साइबर थाने को सूचना दी। एसआई रोशनी रावत ने मामले की जांच की और 29 दिसंबर 2022 को उनकी शिकायत पर ही मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के दौरान पता चला कि उनसे जिस लोन एप के माध्यम से ठगी की गई है, उसे हेक्टर लेंडकरो प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी संचालित करती है।

कंपनी का ब्योरा जुटाया गया तो मालूम हुआ कि इसे चीन में बैठे कुछ लोग चलाते हैं। इनका एक भारतीय साथी दिल्ली में भी मौजूद है।

जोशीमठ में सरकार, अब राहत की दरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ / देहरादून , 13 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जोशीमठ में भूधंसाव से प्रभावित परिवारों को अंतरिम पैकेज के पारदर्शी वितरण एवं पुनर्वास पैकेज की दर निर्धारित किए जाने हेतु गठित समिति के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर गठित समिति के सदस्यों के सुझावों पर बाजार दर तय की जाएगी। प्रभावित हितधारकों के हितों का पूरा ध्यान रखते हुए बेहतर से बेहतर मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को मानसिक रूप से भी सबल बनाना है। सरकार की ओर से अधिकतम जो हो सकता है, वह किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि फरवरी में औली में गेम्स होने है। कुछ महीने बाद चारधाम यात्रा शुरू होने जा रही है। हमें यह भी देखना होगा की जोशीमठ से बाहर कोई गलत संदेश न जाए, ताकि स्थानीय लोगों की आजीविका प्रभावित न हो। इसका हम सबको ध्यान में रखते हुए काम करना है।

इसके साथ साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुनील आइटीबीपी कैंप में सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, और भूधंसाव की जांच में लगे विभिन्न प्रतिष्ठानों के वैज्ञानिकों, जिला प्रशासन, पुलिस एवं आवश्यक सेवाओं से जुड़े जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। सीएम ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा हमारी सबसे बडी जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों की सुरक्षा के दृष्टिगत सभी इंतेजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने भूधंसाव की जांच में लगे विभिन्न प्रतिष्ठानों के वैज्ञानिकों से भी वार्ता की और जोशीमठ में भूधंसाव कारणों में चल रहे अध्ययन और शोध के बारे में जानकारी ली। जिसमें वैज्ञानिकों ने अब तक की जांच के बारे में अवगत कराया।

मीटिंग की अगली कड़ी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी को आपदा की घड़ी में शासन प्रशासन के साथ तालमेल बनाकर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जो लोग प्रभावित हैं, उनकी जान माल की सुरक्षा करते हुए उनके लिए आगे का रास्ता बनाना हमारी प्राथमिकता है। सीएम ने कहा की जिन लोगों के मकान, दुकान, व्यवसाय प्रभावित हुए है उन सभी को अंतरिम सहायता के रूप में 1.50 लाख तत्कालीक रूप से दिए जा रहे हैं। प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए सरकार हर संभव मदद करेगी। कतिपय लोग जोशीमठ को लेकर गलत माहौल बना रहे है। इससे हमारे लोगों का नुकसान हो रहा है उनकी आर्थिकी प्रभावित हो रही है।

Taste Of India : क्या आपने कभी NOON चाय पी है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , अगर आप कभी कश्मीर घाटी के ऊपरी इलाकों में घूमने गए हों, तो नून चाय जरूर पी होगी। अगर नहीं पी; तो एक बार पीकर देखें। एक प्रकार की चाय नून चाय कश्मीर घाटी, चिनाब और पीर पंजाल क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में लोकप्रिय है। अगर आप कभी कश्मीर घाटी के ऊपरी इलाकों में घूमने गए हों, तो नून चाय जरूर पी होगी। अगर नहीं पी; तो एक बार पीकर देखें। एक प्रकार की चाय नून चाय कश्मीर घाटी, चिनाब और पीर पंजाल क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में लोकप्रिय है। यह वहां की दुकानों में आसानी से उपलब्ध है। लेकिन जम्मू की शीतकालीन राजधानी में यह कम मिलती है। जानिए आखिर ये है क्या?

नून चाय और कश्मीर

जम्मू में अगर आप सबसे अच्छी नून चाय चाहते हैं, तो आपको पुराने शहर में रेजीडेंसी रोड के साथ मुख्य जामा मस्जिद तालाब खटेकन के आसपास की दुकानों पर जाना होगा। घाटी से ताल्लुक रखने वाले सगीर अहमद शाह ने डोगरा चौक से कुछ मीटर की दूरी पर महाराजा हरि सिंह पार्क के सामने एक रेस्तरां बनाया है। यहां आपको एक बड़ा सांवर, किडनी, लवासा, कश्मीरी रोटी और अन्य ठेठ कश्मीरी बेकरी व्यंजन मिलेंगे। दिलचस्प बात यह है कि स्थानीय लोगों सहित घाटी के लोग यहां नून चाय की चुस्की लेते हैं। सगीर अहमद शाह के इस रेस्टोरेंट की खास बात यह है कि जो भी दुकान के पास पहुंचता है, उसका सबसे पहले चाय का टेस्ट होता है जो फ्री होता है। सगीर अहमद

ने कहा, ₹अगर आपको यह पसंद है, तो इसे पी लें, अगर नहीं, तो वे मुस्कुराएंगे और कहेंगे, ठीक है।₹जम्मू में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है और महाराजा हरि सिंह पार्क के बाहर आपको बड़ी संख्या में वाहन चालक और अन्य लोग नून चाय पीते नजर आ जाएंगे।सगीर ने कहा कि वह कई सालों से फरवरी से नवंबर के बीच जम्मू आ रहे हैं और यही धंधा कर रहे हैं, लेकिन पहली बार उन्होंने यहां राडी लगाई और यह काफी लोकप्रिय हुआ और यहां काफी संख्या में लोग आते हैं। उन्होंने कहा कि वे शुद्ध दूध और गुलाबी रंग का उपयोग कर चाय को बहुत स्वादिष्ट बनाने की कोशिश करते हैं।

आखिर ये नून चाय है क्या?

नून चाय केन्द्रीय एशिया और भारत के

उत्तरी क्षेत्रों में, विशेषकर जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में बनने वाला एक पारम्परिक चाय का पेय है।

इस चाय में हरी चाय के लपेटे हुए पत्ते, दूध और सोडियम बाईकार्बोनेट (खाने का सोडा) मिलाया जाता है। इस चाय की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें शक्कर नहीं मिलाई जाती, बल्कि उसकी जगह पर नमक डाला जाता है। इसमें जब दूध डालते हैं, तो इसका रंग गाढ़ा होने के बजाय हल्का गुलाबी हो जाता है। बता दें कि कश्मीरी, राजस्थानी, बंगाली, नेपाली और कई अन्य भारतीय भाषाओं में नून का मतलब नमक होता है।वैसे बता दें कि अब नून चाय का प्रचलन दिल्ली तक पहुंच चुका है। हर सर्दी में पुरानी दिल्लीकी जामा मस्जिद के आसपास के होटलों में नून चाय मिल जाती है। यहां कश्मीर से आकर सर्दियोंभर में डेरा जमाने वाले लोग इसके ठेले लगाते हैं।

खबर शानदार : खुशहाल देश के लोग खुश रहने के लिए करते हैं ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी वर्ल्ड हैप्पीनेस के 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक फिनलैंड पिछले पांच सालों से लगातार दुनिया के सबसे खुशहाल देश में नंबर वन के स्थान पर बना हुआ है। साल 2022 में, 156 देशों में लोगों से पूछा गया था कि वो आज के जीवन को 0 से 10 के पैमाने पर रेखांकित करें। इसमें लोगों से उन कारकों को भी देखता है जो सामाजिक समर्थन, जीवन पूर्वानुमान, उदारता और भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति में योगदान करते हैं। एक फिनिश दार्शनिक और मनोविज्ञान के शोधकर्ता फ्रैंक मार्टेला ने एक अध्ययन में खुलासा करते हुए बताया कि जीवन की उच्च गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कौन सी तीन चीजें हैं जो वहां के लोग कभी नहीं करते हैं।

1. दूसरों से न करें अपनी तुलना

फिनलैंड के एक मशहूर कवि की प्रसिद्ध कविता की पंक्ति हैः ₹केल 'ओनी ऑन, से ओनन कटकेकोन।₹ जिसका अर्थ है अपनी खुशी के बारे में कभी बढ़ा-चढ़ाकर न बताएं। फिनलैंड के नागरिक इस बात को दिल से मानते हैं। खासकर जब भौतिक और धन से जुड़ी चीजों के प्रदर्शन की बात आगे आती है। फिनलैंड के नागरिक पैसों का प्रदर्शन करने के स्थान पर या अपनी अमीरी दिखाने की जगह आम लोगों की तरह रहना ज्यादा पसंद करते हैं। इस कारण वहां के लोग दिल से खुश रहते हैं। ऐसे में आप भी खुश रहने के लिए उन चीजों पर ज्यादा फोकस करें, जिसे करने से आपको खुशी मिलती हो। खुद की तुलना दूसरों से करना बंद करें। जितनी चीजें आपके पास है उतने में खुश रहने की कोशिश करें।

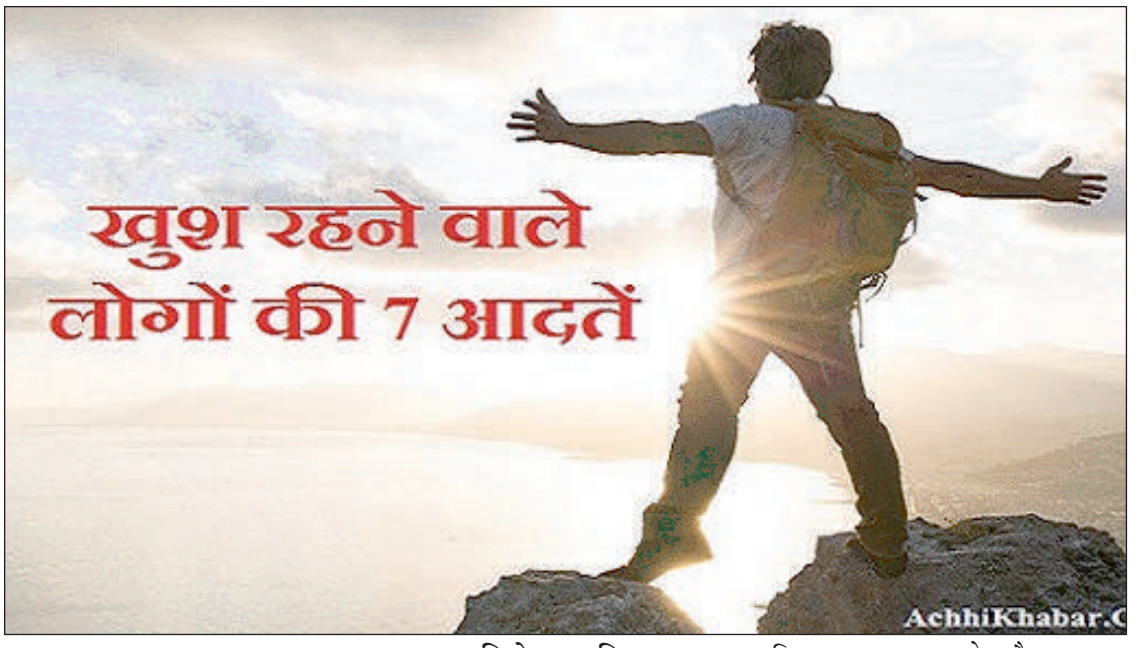

2. प्रकृति के साथ बिताए समय

साल 2021 के सर्वे के मुताबिक फिनलैंड के 87 प्रतिशत नागरिकों का मानना है कि उनके जीवन में प्रकृति का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। उनके मुताबिक प्रकृति उन्हें मन की शांति, ऊर्जा और आराम देने में मदद करता है। फिनलैंड में, कर्मचारी समर होलिडे में चार हफ्ते की छुट्टी के हकदार होते हैं। इस समय अधिकतर लोग अपने-अपने गांव नेचर के पास जाकर रहना पसंद करते हैं। इस दौरान लोगों को बिजली और घर की आम सुविधाओं से दूर रहना पसंद करते हैं। ऐसे में आप भी खुश रहने के लिए प्रकृति के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करें। ऐसा करने से आपके जीवन शक्ति, तंदुरूस्ती बढ़ती है और व्यक्तिगत विकास का एहसास होता है।

3. अपने सामुदाय के लोगों पर भरोसा बनाए रखना

एक रिसर्च के मुताबिक जिस देश में विश्वास का स्तर जितना ज्यादा रहता है, उस स्थान के नागरिक उतने ही खुश रहते हैं। फिनलैंड में लोग एक दूसरे पर भरोसा करते हैं, और एक दूसरे को लेकर ईमानदार रहते हैं। जैसे अगर वहां के लोग अपना सामान किसी रेस्तरां, लाइब्रेरी, या पब्लिक ट्रांसपोर्ट में भूल जाते हैं, तो उन्हें ये विश्वास रहता है कि उनका सामान उन तक वापस लौट आएगा। या उस स्थान पर उन्हें उनका सामान वापस मिल जाएगा। ऐसे में एक हैप्पी लाइफ जीने के लिए आप अपने समुदाय और आसपास के लोगों पर विश्वास करने और उन पर अपना विश्वास बनाए रखने की कोशिश करें

लॉन्च हुआ दुनिया का पहला सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर, जानिए खूबियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 , जनवरी , ऑटो एक्सपो- 2023 में 30 से अधिक ईवी कंपनियां आने वाली हैं, जिससे यह आयोजन बड़ा भव्य और विस्तृत होने वाला है। इस ऑटो एक्सपो में दुनिया के पहले सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक को भी प्रस्तुत किया गया है, जिसको लेकर सभी उत्साहित और इसे देखने को लेकर उत्सुक हैं। ऑटो एक्सपो- 2023 में आधिकारिक तौर पर पेश किया गया है। बता दें कि इस सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर को मुम्बई की कंपनी लिगर मोबिलिटी ने बनाया है, जहां सन 2019 में सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर के प्री प्रोडक्शन प्रोटोटाइप मॉडल को कंपनी की ओर साझा किया गया था। वहीं ऑटो एक्सपो-2023 में यह आधिकारिक तौर पर लॉन्च हुआ है, आईये जानते हैं इसके फीचर्स और इससे जुड़ी सभी जानकारियां। **यह है दुनिया के सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर की खासियत**

इसे लिगर मोबिलिटी द्वारा बनाया गया है, जोकि हाल का ही स्टार्टअप है। वहीं यह स्कूटर आने के बाद स्कूटर क्षेत्र में क्रांति आने की संभावना है, वहीं इस स्कूटर की खास बात यह है कि यह सेल्फ बैलेन्स है यानि यह बिना स्टैंड के ही खड़ा हो जायेगा, इसके साथ ही चलाते समय गिरने का

खतरा कम होगा। वहीं यह सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर वॉयस कमांड को भी फॉलो करेगा, जहां आप इसे आवाज देकर कहीं भी पार्क कर सकेंगे। दूसरी ओर देश में अभी तक वॉयस कमांड फीचर वाला कोई भी स्कूटर नहीं आया है, ऐसे में इसकी धूम मच सकती है।

इतने सालों में बनकर तैयार हुआ है सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर

वहीं लिगर मोबिलिटी ने इसे काफी रिसर्च और प्रोटोटाइप करने के बाद दो सालों में बनाया है, इसमें सेल्फ बैलेंसिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। वहीं ऑटो एक्सपो- 2023 में पेश होने के बाद इसकी अन्य खूबियां भी सामने आयेगी। सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर में सेल्फ बैलेंसिंग बोर्ड का उपयोग किया गया है, जिसके फ्रेम्स लगातार एक्टिव रहते हैं, इसके साथ ही इलेक्ट्रिक मोटर और सेंसर जोकि स्पीड और स्कूटर के झुकाव के एंगल्स को सेंस कर लेते हैं। दूसरी ओर इन सेंसरों का इस्तेमाल दोनों पहियों में किया जाता है, जिससे यह सेल्फ बैलेंस होता है।

अंजान नंबर से वीडियो कॉल पड़ गया भारी, देने पड़े 4 लाख रुपये

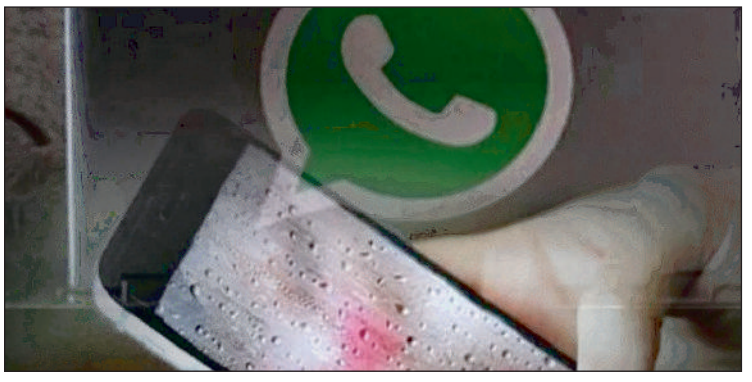

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 जनवरी, एक अनजान नंबर से युवक के पास लड़की की वीडियो कॉल आई तो सबसे पहले अश्लील वीडियो कॉल करके उसकी वीडियो रिकॉर्ड की गई और उसके बाद युवक को धमकाकर उससे साढ़े चार लाख रुपए भी बैंक में जमा करवा दिए। दरअसल वीडियो कॉल करने के बाद आरोपियों ने उसे रिकॉर्ड कर लिया और उसके बाद खुद को पुलिस और यूट्यूब अधिकारी बताकर युवक को फोन किया और उसे ब्लैकमेल कर उससे साढ़े चार लाख रुपए अपने अकाउंट में जमा करवा दिए। उसके बाद भी आरोपी उसको ब्लैकमेल कर उससे और भी रकम मांगते रहे। उसके बाद पीड़ित ने साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन में तहरीर दी पीड़ित देहरादून नेहरू कॉलोनी का निवासी है। उसने बताया कि बीती 6 दिसंबर को उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से वीडियो कॉल आई। जब उसने वीडियो कॉल उठाई तो सामने से कॉल करने वाली महिला ने उसके साथ में अश्लील हरकतें करना शुरू कर दिया और वीडियो कॉल रिकॉर्ड करली।

इसके कुछ दिनों के बाद पीड़ित को एक और अनजान नंबर से कॉल आया और कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली के पीतमपुरा थाने का एसएचओ राकेश अस्थाना बताया और उसने कहा कि व्यक्ति का और एक युवती का अश्लील वीडियो उनको मिला है।

अगर यूट्यूब से वह वीडियो डिलीट करनी है तो यूट्यूब अधिकारी से बात करनी पड़ेगी नहीं तो उसके खिलाफ केस दर्ज हो जाएगा। उसके बाद पीड़ित को एक नंबर दिया गया और जब पीड़ित ने उस नंबर पर फोन लगाया तो वीडियो डिलीट करने की सबसे पहली बार में साढ़े 22 हज़ार रुपए मांगे गए और उसके बाद से उसने अबतक आरोपियों को साढ़े 4 लाख रुपए दे दिए हैं। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

डीएम देहरादून सोनिका जोशीमठ की मदद के लिए आगे आईं एडीएम के.के. मिश्रा ने रवाना किया राहत सामग्री का ट्रक

फिरोज़ आलम
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,12 जनवरी 2022, जिलाधिकारी सोनिका के निर्देशों के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के के मिश्रा ने जिला आपदा परिचालन केन्द्र देहरादून से जोशीमठ भूधसाव क्षेत्र के विस्थापित परिवारों एवं जरूरतमंदो को रसद सामग्री के वाहन को हरीझण्डी दिखाकर रवाना किया।

जनपद चमोली के जोशीमठ शहर, भूधसाव से आवासीय घरों में आ रहे दरारों के कारण सुरक्षा के दृष्टिगत वहां रह रहे परिवारों एवं लोगों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित किया गया है। जिला प्रशासन देहरादून विस्तापित परिवारों एवं जरूरतमंदो वाहन द्वारा राहत सामग्री में 860 कंबल, 250 राशन किट, 14 बॉडीकेयर बॉक्स (थर्मलस) जनपद चमोली भेजे गए। जिलाधिकारी ने कहा कि आगे भी जिला प्रशासन द्वारा जरूरतमंदो को रसद सामग्री प्रेषित की जाएगी। जिला प्रशासन देहरादून जरूरतमदों की सहायता हेतु सदैव तत्पर है।

स्मार्टसिटी की स्मार्ट सीईओ सोनिका का स्मार्ट अंदाज़

परेड ग्राउंड पर कराई अधिकारियों की परेड,लिया काम का जायज़ा

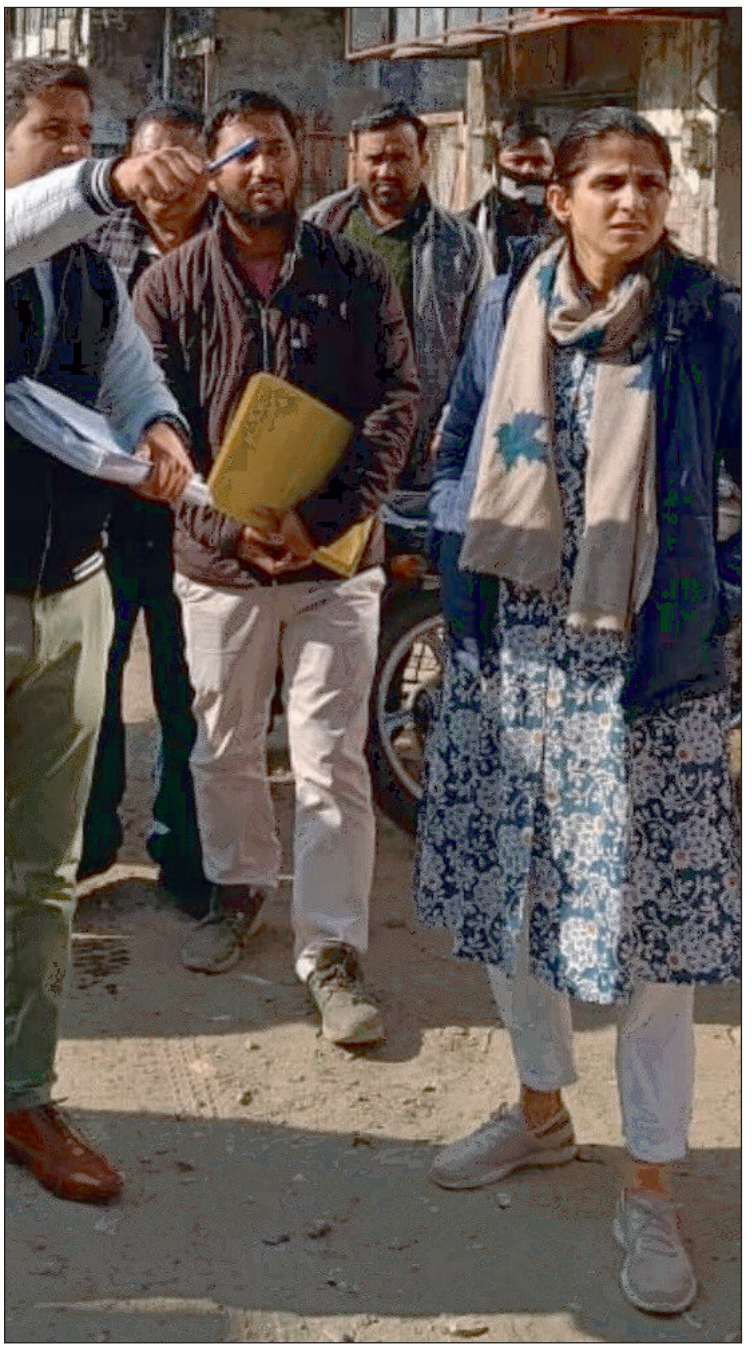

महविश
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 12 जनवरी 2023, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, देहरादून स्मार्ट सिटी लि0, जिला मजिस्ट्रेट एवं उपाध्यक्ष,एमडीडीए सोनिका ने सम्बन्धित अधिकारियों के साथ परेड़ ग्राउण्ड, पलटन बाजार में फसाड के विकास कार्यों और ग्रीन बिल्डिंग परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा इन परियोजनाओं की अध्यतन स्थिति के विषय में बताया गया,सीईओ सोनिका द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शीघ्रातीशीघ्र कार्य पूर्ण किया जाय। परेड़ ग्राउण्ड अध्यतन स्थिति,परेड ग्राउंड में प्रस्तावित वीआईपी स्टेज, कार पार्किंग, इंटरनल पाथवे, एक्सटर्नल पाथवे एवं विद्युत प्रकाश कार्यों का कार्य प्रगति पर है इनमें से कई कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं एवं परेड ग्राउंड को आगामी गणतंत्र दिवस हेतु तैयार किया जा रहा है।फसाड कार्य, पलटन बाजार,मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनिका द्वारा कार्यों को समय से पूर्ण करने हेतु कार्य की गति बढ़ाने हेतु निर्देश दिए गए हैं।पलटन बाजार अध्यतन स्थिति पलटन बाजार में घंटाघर से कोतवाली के मध्य फसाड कार्य किया जाना प्रस्तावित किया गया है जिसमें लगभग 911 दुकानों में यह कार्य किया जाना प्रस्तावित है। फसाड निर्माण का कार्य गतिमान है ।ग्रीन बिल्डिंग अध्यतन स्थिति,हाई कोर्ट द्वारा उत्तराखंड परिवहन निगम की हरिद्वार रोड़ स्थित कार्यशाला पर पर जनयाचिका द्वारा लगे स्टे को हटा दिया गया है। जिसके उपरान्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनिका द्वारा अधिकारियों को ग्रीन बिल्डिंग निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने के लिए निर्देशित किया गया।

संपादकीय

प्रदूषण का कहर

राजधानी दिल्ली 2022 में भी देश का सर्वाधिक प्रदूषित महानगर रहा. राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के ट्रेकर के मुताबिक दिल्ली के साथ फरीदाबाद, गाजियाबाद, पटना, मुजफ्फरपुर, नोएडा, मेरठ, गोबिंदगढ़, गया और जोधपुर में वायु गुणवत्ता सबसे खराब रही है. उल्लेखनीय है कि इनमें से अधिकतर शहर सिंधु-गंगा मैदानों में स्थित हैं. वातावरण में वायु के राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुसार, वातावरण की हवा में प्रदूषक तत्वों- पीएम2.5 और पीएम10- की मात्रा क्रमशः 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक ही होनी चाहिए. ध्यान रहे, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित स्तरों से अधिक हैं. इसका अर्थ यह है कि यदि किसी तरह में ऐसे तत्वों की मात्रा इस सीमा के आसपास है, तो हमें निश्चिंत नहीं होना चाहिए. इस मात्रा के बढ़ने के साथ प्रदूषित हवा में सांस लेना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह होता जाता है. चार वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी और इसमें देश भर के कई शहरों की लगातार निगरानी और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक प्रयास को लेकर प्रावधान किये गये थे. अब तक इस कार्यक्रम पर 6,897 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं. फिर भी बेंगलुरु, मुंबई और चेन्नई जैसे अपेक्षाकृत अच्छी हवा वाले शहरों में प्रदूषणकारी तत्वों की मात्रा बढ़ना बड़ी चिंता की बात है. राष्ट्रीय कार्यक्रम निश्चित ही एक आवश्यक पहल है, पर आंकड़े इंगित कर रहे हैं कि प्रदूषक तत्वों को 2024 तक निर्धारित सीमा से नीचे लाने का लक्ष्य पूरा कर पाना बेहद मुश्किल है. देश के 132 शहरों में हवा प्रदूषित है. इस सूची में पहले 102 शहर ही थे. निगरानी की बेहतर व्यवस्था के कारण हमें पहले से कहीं अधिक सही जानकारी मिल रही है. अब बेहतरी के लिए गंभीर उपायों की आवश्यकता है. इन शहरों के आसपास के उपनगरों और गांवों में भी हवा प्रदूषित है. इस समस्या के स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर अत्यंत गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं. दिल के दौरे, फेफड़े और दिल की बीमारियों से होने वाली मौतों में एक-तिहाई हिस्से की वजह वायु प्रदूषण है. मां के गर्भ में ही शिशु को इससे तकलीफें होने लगती हैं. बुजुर्गों और गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए तो यह जानलेवा है. इस दूसरे सबसे बड़े स्वास्थ्य जोखिम से हमारी अर्थव्यवस्था को हर साल 150 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होता है. सरकार, उद्योग जगत तथा नागरिकों को एकजुट होकर इस भारी चुनौती का सामना करना होगा.

गंगा विलास, पानी पर तैरता 5 स्टार होटल ! जानिए खूबियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े लग्जरी क्रूज का प्रधानमंत्री मोदी 13 जनवरी को वाराणसी से हरी झंडी दिखाएंगे। ये लग्जरी क्रूजर देश के सबसे प्रसिद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों से गुजरेगी। एमवी गंगा विलास 1 मार्च को असम के डिब्रूगढ़ पहुंचेंगी। भारत ने दुनिया की सबसे लंबी नदी क्रूज के रूप में, इसमें 50 पर्यटन स्थलों को जोड़ा है। 62 मीटर लंबा जहाज प्रदूषण मुक्त सिस्टम और शोर नियंत्रण तकनीक से लैस ये क्रूजर राष्ट्रीय उद्यान से लेकर विश्व धरोहर स्थल के खूबसूरत नजारें दिखाता हुआ आगे बढ़ेगा। देश क्रूजर भारत के कई शहरों से होता हुआ बांग्लादेश की राजधानी ढाका तक भी जाएगा।

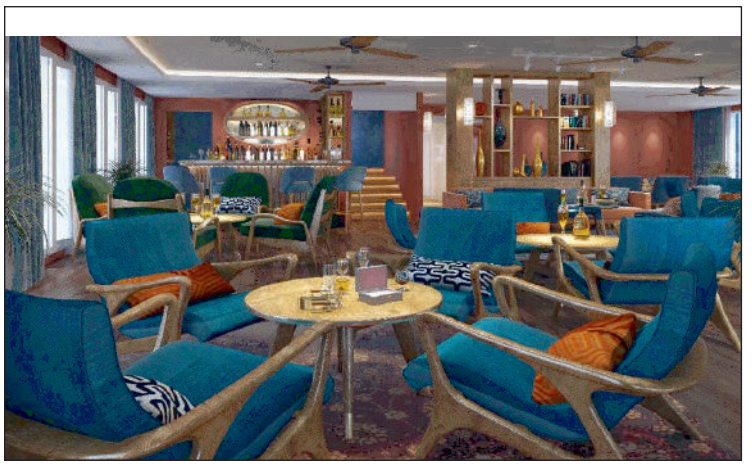

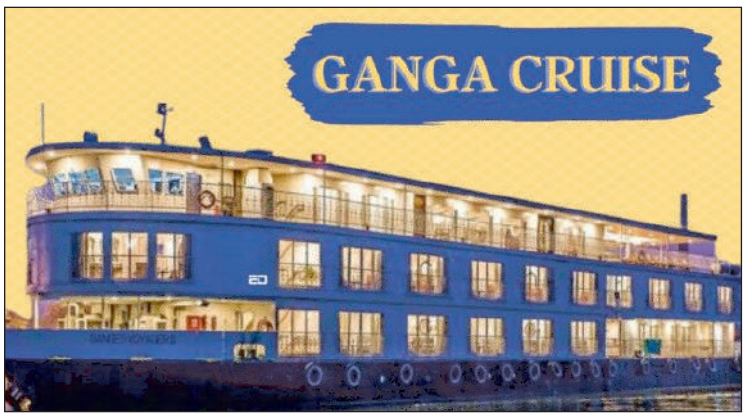

गंगा विलास पर आने वाले पर्यटकों को बनारस की गंगा आरती का अनुभव कराते हुए बौद्धों के तीर्थ स्थल सारनाथ का दौरा करते हुए असम में प्रसिद्ध माजुली द्वीप भी ले जाएगा जाएगा। सुंदरबन और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान भी इस दौरे का हिस्सा होगा। पर्यटक इसमें बैठ कर बिहार स्कूल ऑफ योगा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय भी दिखेंगे। यहां उन्हे भार की प्रीचीन आध्यात्मिकता और ज्ञान की विरासत के बारे में पता चलेगा। बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने इसके बारे में बताया ।गंगा विलास क्रूजर में तीन डेक और 18 सुइट हैं, जिसमें लगभग 36 पर्यटक रूकेंगे। इस क्रूजर में सबसे पहले बैठने वाला पर्यटकों का ग्रुप स्विट्जरलैंड से है। एमवी गंगा विलास को कोलकाता स्थित अंतरा लक्ज़री रिवर क्रूज़ द्वारा तैयार किया गया है।

उत्तराखंड में घने कोहरे का असर देरी से पहुंच रही ट्रेन और फ्लाइट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जनवरी , कोहरे और बिगड़े मौसम का असर यातायात सेवाओं के संचालन पर पड़ रहा है। उत्तराखंड के साथ ही दिल्ली समेत उत्तर भारत घने कोहरे की चपेट में है।

जिसके चलते हवाई सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। घने कोहरे के चलते जौलीग्रांट एयरपोर्ट से संचालित होने वाली हवाई सेवाएं भी अपने समय पर संचालित नहीं हो पा रहीं।

हवाई सेवाओं की समय सारणी गड़बड़ा गई है। फ्लाइटों की देरी के चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी की समस्या बनी हुई है, जिस वजह से जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर आने वाली कई फ्लाइट लेट हो रही हैं। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड व कोहरे की वजह से रेल यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेन लगातार देरी से संचालित हो रही है। घने कोहरे की वजह से 237 से अधिक ट्रेनें प्रभावित रहीं। इस वजह से कई ट्रेनें निरस्त करनी पड़ीं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी

कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित।

फ़ोन : 0135-4066790,2672002

RNI No. : UTTHIN/2012/44094

Cert.Ser.No.: 31406

E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www. newsvirusnetwork.com

YouTube : TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

इन तरीकों से करेंगे सेविंग, तो नहीं होगी पैसों की दिक्कत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , दुनियाभर के देशों पर मंदी का संकट मंडरा रहा है। लोग खुद को आर्थिक रूप से मजबूत करने में लग गए हैं। कंपनियां छंटनी भी कर रही हैं। किसी की भी नौकरी कभी भी जा सकती है ऐसे में आप खुद को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए कौन से कदम उठा रहे हैं? यह एक बड़ा सवाल है। अगर आपके पास इसका जवाब नहीं है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आपको आज की स्टोरी में ऐसे 5 तरीके बताएंगे, जिसकी मदद से आप मुश्किल दिनों के लिए सेविंग कर सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड से ज्यादा दोस्ती अच्छी नहीं

आजकल घरों में दो या दो से अधिक क्रेडिट कार्ड होते हैं और घरवाले जमकर खर्च करते हैं, ये सोचे बिना कि वो पैसा ब्याज समेत उन्हें ही चुकाना है। इसलिए इस नए साल पर प्रण कर लीजिए कि इस तरह के खर्च से खुद को बचाना है। जरूरत की चीजें ही क्रेडिट कार्ड से खरीदें। हो सके तो डेबिट कार्ड का यूज कीजिए। इससे आप अतिरिक्त खर्च करने से बचेंगे।

अपने लिए नए तरह का बजट बनाएं

हर महीने घर पर खर्च के लिए बजट बनाना और लिस्टिंग करना दोनों अलग-अलग चीजें है। लिस्टिंग यानी जरूरत, आराम और लग्जरी। सबसे पहले जरूरी चीजें जिनके बिना घर चलना संभव नहीं है, उसकी लिस्ट बना लीजिए और उसका पैसा अलग कर लीजिए। फिर जो पैसा बचता है, उससे लिस्टिंग के बारे में सोचिए। लिस्टिंग के लिए खर्च करते वक्त इस बात का ध्यान देना जरूरी है कि क्या उसके लिए खर्च करना आवश्यक है। अगर है तभी खर्च कीजिए अन्यथा आप उसे सेविंग के लिए निकाल दीजिए। आप उस बचे हुए पैसे से एक लंपसम कर लीजिए। यह आपको एक अच्छा रिटर्न भी आने वाले समय में दे देगा।

कर्ज लेकर खर्च करने पर लगाम जरूरी

कर्ज लेकर घी पीने की बात बड़े बुजुर्ग किया करते थे, लेकिन ये आज के समय में सौ फीसदी सही होती दिख है। नए जमाने में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन जैसी चीजें यहीं है जो आपको उकसाती हैं कि लग्जरी कार लो, पैसे बाद में चुका देना। लेकिन पैसे चुकाए कहां से जाएंगे, ये नहीं बताया जाता। छिपे हुए टर्म & कंडीशन और भारी भरकम ब्याज के चलते हम काफी सारा पैसा बेवजह की चीजों में खर्च कर डालते हैं और बाद में पछताते हैं। कई बार ऐसी चीजें खरीद ली जाती हैं जो साल में एक या दो बार काम आती हैं। मल्टीपर्पस चीजें जो रूप रंग बदल कर उपयोग में लायी जाएं, ऐसी चीजों पर इन्वेस्ट कीजिए।

जेब में हाथ डालने से पहले एक बार सोचिए

जब भी आप खर्च के लिए जेब या बैंक अकाउंट में हाथ डालें तो एक बार सोचिए, क्या ये वाकई जरूरी है? आप दो बार सोचेंगे और अगर वाकई जरूरी होगा तो ही खर्च करेंगे। ऐसा करने से आपकी गैर जरूरी खर्च करने की आदत पर विराम लगेगा और आप समझदारी से खर्च करने और सेव करने में माहिर हो जाएंगे।

युवा दिवस विशेष : प्यार और क्रश में अंतर समझाती गुदगुदाने वाली खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जनवरी , क्रश आमतौर पर उन रोमांटिक फीलिंग को माना जाता है जो आप कभी कह ही नहीं पाते हैं। लेकिन ऐसा है नहीं। जी हां, आप प्यार भारी फीलिंग को ही तो क्रश कहते थे अब तक, है न। अब मत कहिएगा क्योंकि क्रश के मायने तो कुछ और ही हैं।विशेषज्ञ मानते हैं कि क्रश के लिए हमेशा रोमांटिक फीलिंग नहीं आती है। लेकिन क्रश के साथ जुड़े नहीं होते हैं और आप गहराई में जाकर उनसे जुड़ना जरूर चाहते हैं। हम किसी भी तरह जुड़ना चाहते हैं ताकि उनको और जान सकें पहचान सकें। उनसे रिश्ता बढ़ा सकें। इन सबके बीच में रोमांस भी हो सकता है।

प्यार और क्रश को एक मान लेने की गलती मत कीजिएगा। ये दोनों अलग-अलग अहसास हैं। इन दोनों में बड़ा अंतर तो आकर्षण और गहरे प्यार का ही है। इन दोनों अहसासों के बीच में अंतर करना काफी कठिन होता है। क्रश के लिए आप कई बार फिजिकल आकर्षण महसूस कर सकते हैं। लेकिन जब प्यार होगा तो आप एक गहरी फीलिंग महसूस करेंगे।उसके साथ सपने तक देखने लगेंगे। लेकिन प्यार के साथ आप प्रैक्टिकल बातें सोचेंगे।जब प्यार होता है तो आपको वो पूरा इंसान अच्छा लगता है। लेकिन क्रश की आपको कोई एक खासियत अच्छी लगेगी, जैसे उसका हंसना, कोई बॉडी पार्ट या फिर कपड़े पहनने का तरीका। ज्यादातर बार क्रश थोड़े समय के लिए ही होता है।क्रश तुरंत हो जाता है जबकि प्यार धीरे-धीरे होता है। क्रश होगा तो उस इंसान में कोई कमी दिखेगी ही नहीं, प्यार में कमी दिखेगी लेकिन आप उसे सुधारना चाहेंगे। ताकि वो इंसान परफेक्ट बन सके।

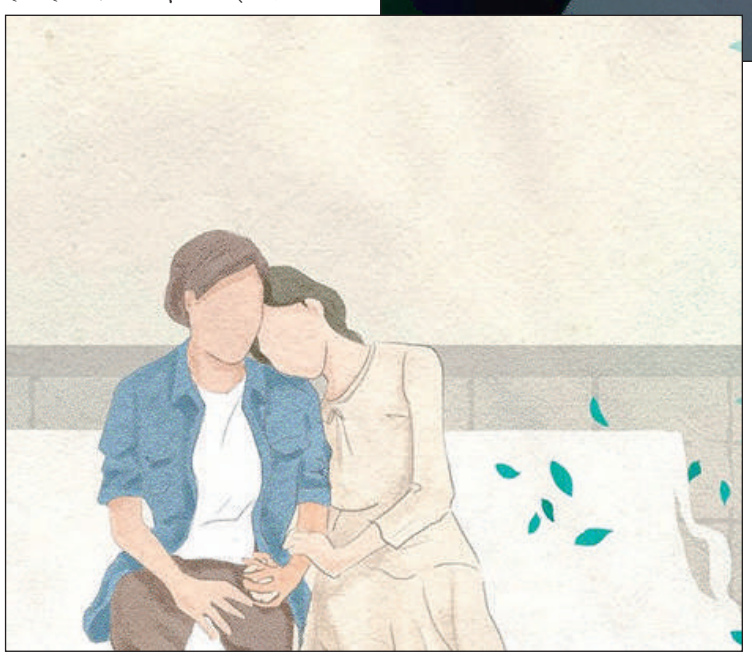

अब सवाल ये उठता है कि क्रश हो कौन सकता है?

वैसे तो ये कोई भी कभी भी हो सकता है। लेकिन अक्सर ऐसा उन लोगों के साथ होता है, जिनसे आपका किसी भी तरह से कोई रिश्ता न हो। जैसे ऑफिस में काम करने वाली ऐसी कलीग जिससे आपका कोई काम न पड़ता हो। कॉलेज की कोई लड़की या फिर मोहल्ले की कोई लड़की। फ़िल्मी सितारे भी अक्सर क्रश होते हैं क्योंकि हम उन्हें पर्सनली नहीं जानते होते हैं। अगर आपकी जिंदगी में कोई क्रश है तो आपकी पर्सनालिटी में कोई न कोई अंतर जरूर दिखेगा। ये अंतर व्यवहारिक तो होंगे ही सायकलॉजी के हिसाब से भी लक्षण बताए गए हैं। ये वो लक्षण हैं जो आपकी जिंदगी में क्रश आने के साथ ही एंटर करते हैं। क्या आपमें भी हैं दिख रहे हैं ये लक्षण, पहचान लीजिए-

इर्द-गिर्द ही रहना चाहें

आपके ऑफिस में या दोस्तों के बीच कोई है जो सिर्फ आपका ही साथ चुनती है। चाहे बाइक पर बैठकर ट्रीट वेन्यू पर जाना हो या फिर लैब में लोकेशन चुननी हो, उन्हें आप ही नजर आते हैं। आप भी किसी के लिए ऐसा ही कर रहे हैं तो भी आपकी जिंदगी में क्रश ने कदम रख दिया है, ध्यान रखिए। या तो आप उन्हें या वो आपको बेहतर तरीके से जानना चाहते हैं।

बातों-बातों में उनका नाम

जब भी आपकी जिंदगी में कोई क्रश आएगा तो ध्यान रखिए कि अक्सर आप उनका ही नाम लेंगे। बात किसी और चीज की होगी लेकिन आप उनको ही याद करेंगे। मान लीजिए आप बात दीप्ति से कर रहे हैं तो उससे बात करते-करते हो सकता है कि आप अपनी क्रश पूजा को ही याद करते रहें। बातों-बातों में आपके मुंह से पूजा ही निकलेगा। आप दीप्ति को पूजा ही कह सकते हैं। ऐसा कई और परिस्थितियों में भी हो सकता है। और ऐसा आपके लिए भी कोई कर सकता है। ये आपके लिए भी कोई कर सकता है और आप भी किसी के लिए कर सकते हैं। आप किसी के लिए ऐसा कर रहे हैं तो समझ लीजिए कि आपको क्रश मिल गई है। वैसे तो जो लक्षण आपकी जिंदगी में क्रश आने के होंगे ठीक वही लक्षण किसी और के लिए भी होंगे। जब आप किसी की जिंदगी में क्रश बनकर जाएंगे तो उसमें भी वही लक्षण दिखेंगे। लेकिन कुछ बातें हैं जो आपको सच में तुरंत फील करा देंगी कि कोई आपको अपना क्रश मानने लगा है।

उनके आते ही आपको हलकी सी शर्म आने लगेगी आसपास के लोग आपको घूरने लगेंगेमिक्स फीलिंग होगी जैसे नर्वस, खुशी और उत्साहऐसा लगेगा जैसा कोई आपको हर पल देख रहा हैकोई है जो आपके साथ समय बिताने को परेशान है।ऐसे करें रिएक्ट जब आपकी जिंदगी में क्रश आ जाए तो आपको क्या रिएक्ट करना चाहिए? ये सवाल भी मन में उठ ही रहा होगा? तो ऐसी स्थिति में सबसे पहले तो अपनी क्रश से मिलने की वजह पर ध्यान दीजिए। मतलब आप उनको जानते कैसे हैं। इस पर ध्यान दीजिए। जैसे ऑफिस कलीग हैं वो या फैमिली फ्रेंड हैं। हर स्थिति में अप्रोच करने का तरीका अलग होगा।